www.ncerthelp.com

4. हिंदी (आधार) कोड संख्या-302

प्रस्तावना

दसवीं कक्षा तक हिंदी का अध्ययन करने वाला विद्यार्थी समझते हुए पढ़ने व सुनने के साथ-साथ हिंदी में सोचने और उसे मौखिक एवं लिखित रूप में व्यक्त कर पाने की सामान्य दक्षता अर्जित कर चुका होता है। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर आने के बाद इन सभी दक्षताओं को सामान्य से ऊपर उस स्तर तक ले जाने की दरकार होती है, जहाँ भाषा का इस्तेमाल भिन्न-भिन्न व्यवहार-क्षेत्रों की मांगों के अनुरूप किया जा सके। आधार पाठ्यक्रम साहित्यिक बोध के साथ-साथ भाषाई दक्षता के विकास को ज्यादा अहमियत देता है। यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा, जो आगे विश्वविद्यालय में अध्यन करते हुए हिंदी को एक विषय के रूप में पढ़ेंगे या विज्ञान/समाजविज्ञान के किसी विषय को हिंदी माध्यम से पढ़ना चाहेंगे। यह उनके लिए भी उपयोगी साबित होगा, जो उच्चतर माध्यमिक स्तर की शिक्षा के बाद किसी तरह के रोज़गार में लग जाएंगे। वहां कामकाजी हिंदी का आधारभूत अध्ययन काम आएगा। जिन विद्यार्थियों की दिलचस्पी जनसंचार माध्यमों में होगी, उनके लिए यह पाठ्यक्रम एक आरंभिक पृष्ठभूमि निर्मित करेगा। इसके साथ ही यह पाठ्यक्रम सामान्य रूप से तरह-तरह के साहित्य के साथ विद्यार्थियों के संबंध को सहज बनाएगा। विद्यार्थी भाषिक अभिव्यक्ति के सूक्ष्म एवं जटिल रूपों से परिचित हो सकेंगे, वे यथार्थ को अपने विचारों में व्यवस्थित करने के साधन के तौर पर भाषा का अधिक सार्थक उपयोग कर पाएंगे और उनमें जीवन के प्रति मानवीय संवेदना एवं सम्यक् दृष्टि का विकास हो सकेगा।

उद्देश्य

- इन माध्यमों और विधाओं के लिए उपयुक्त भाषा प्रयोग की इतनी क्षमता उनमें आ चुकी होगी कि वे स्वयं इससे जुड़े उच्चतर पाठ्यक्रमों को समझ सकेंगे।
- सामाजिक हिंसा की भाषिक अभिव्यक्ति की समझ।
- भाषा के अंदर सक्रिय सत्ता संबंध की समझ।
- सृजनात्मक साहित्य को सराह पाने और उसका आनंद उठाने की क्षमता का विकास तथा भाषा में सौंदर्यात्मकता उत्पन्न करने वाली सृजनात्मक युक्तियों की संवेदना का विकास।
- विद्यार्थियों के भीतर सभी प्रकार की विविधताओं (धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र भाषा संबंधी) के प्रति सकारात्मक एवं विवेकपूर्ण रवैये का विकास।
- पठन-सामग्री को भिन्न-भिन्न कोणों से अलग-अलग सामाजिक, सांस्कृतिक चिंताओं के परिप्रेक्ष्य में देखने का अभ्यास कराना तथा नज़रिये की एकांगिकता के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।
- विद्यार्थी में स्तरीय साहित्य की समझ और उसका आनंद उठाने की स्फूर्ति, विकास, उसमें साहित्य को श्रेष्ठ बनाने वाले तत्वों की संवेदना का विकास।
- विभिन्न ज्ञानानुशासनों के विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की विशिष्ट प्रकृति और उसकी क्षमताओं का बोध।
- कामकाजी हिंदी के उपयोग के कौशल का विकास।
- संचार माध्यमों (प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक) में प्रयुक्त हिंदी की प्रकृति से परिचय और इन माध्यमों की मांगों के अनुरूप मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति का विकास।
- विद्यार्थी में किसी भी अपरिचित विषय से संबंधित प्रासंगिक जानकारी के स्रोतों का अनुसंधान और उन्हें व्यवस्थित ढंग से उनकी मौखिक और लिखित प्रस्तुति करने की क्षमता का विकास।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

शिक्षण-युक्तियाँ

- कुछ बातें इस स्तर पर हिंदी शिक्षण के लक्ष्यों के संदर्भ में सामान्य रूप से कही जा सकती हैं। एक तो यही कि कक्षा में दबाव एवं तनाव मुक्त माहौल होने की स्थिति में ही ये लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। चूँकि इस पाठ्यक्रम में तैयारशुदा उत्तरों को कंठस्थ कर लेने की कोई अपेक्षा नहीं है, इसलिए चीज़ों को समझने और उस समझ के आधार पर उत्तर को शब्दबद्ध करने की योग्यता विकसित करना ही हमारा काम है। इस योग्यता के विकास के लिए कक्षा में विद्यार्थियों और शिक्षिका के बीच निर्बाध संवाद ज़रूरी है। विद्यार्थी अपनी शंकाओं और उलझनों को जितना ही अधिक व्यक्त करेंगे, उतनी ही ज़्यादा सफाई उनमें आ पाएगी।

- भाषा की कक्षा से समाज में मौजूद विभिन्न प्रकार के द्वंद्वों पर बातचीत का मंच बनाना चाहिए। उदाहरण के लिए संविधान में किसी शब्द विशेष के प्रयोग पर मनाही को चर्चा का विषय बनाया जा सकता है। यह समझ ज़रूरी है कि विद्यार्थियों को सिर्फ सकारात्मक पाठ देने से नहीं काम चलेगा बल्कि उन्हें समझाकर भाषिक यथार्थ का सीधे सामना करवाने वाले पाठों से परिचय होना ज़रूरी है।

- शंकाओं और उलझनों को रखने के अलावा भी कक्षा में विद्यार्थियों को अधिक-से-अधिक बोलने के लिए प्रेरित किया जाना ज़रूरी है। उन्हें यह अहसास कराया जाना चाहिए कि वे पठित सामग्री पर राय देने का अधिकार और काबलियत रखते हैं। उनकी राय को तवज़्जों देने और उसे बेहतर तरीके से पुनः प्रस्तुत करने की अध्यापकीय शैली यहां बहुत उपयोगी होगी।

- विद्यार्थियों को संवाद में शामिल करने के लिए यह भी ज़रूरी होगा कि उन्हें एक नामहीन समूह न मानकर अलग-अलग व्यक्तियों के रूप में अहमियत दी जाए। शिक्षिका को अक्सर एक कुशल संयोजक की भूमिका में स्वयं को देखना होगा, जो किसी भी इच्छुक व्यक्ति को संवाद का भागीदार बनने से वंचित नहीं रखती, उसके कच्चे-पक्के वक्तव्य को मानक भाषा-शैली में ढाल कर उसे एक आभा दे देती है और मौन को अभिव्यंजना मान बैठे लोगों को मुखर होने पर बाध्य कर देती है।

- अप्रत्याशित विषयों पर चिंतन तथा उसकी मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति करने की योग्यता का विकास शिक्षिका के सचेत प्रयास से ही संभव है। इसके लिए शिक्षिका को एक निश्चित अंतराल पर नए-नए विषय प्रस्तावित कर लेख एवं अनुच्छेद लिखने तथा संभाषण करने के लिए पूरी कक्षा को प्रेरित करना होगा। यह अभ्यास ऐसा है, जिसमें विषयों की कोई सीमा तय नहीं की जा सकती। विषय की निस्सीम संभावना के बीच शिक्षिका यह सुनिश्चित कर सकती है कि उसके विद्यार्थी किसी निबंध-संकलन या कुंजी से तैयारशुदा सामग्री को उतार भर न ले। तैयार शुदा सामग्री के लोभ से, बाध्यतावश ही सही मुक्ति पाकर विद्यार्थी नये तरीके से सोचने और उसे शब्दबद्ध करने के यत्न में सन्नद्ध होंगे। मौखिक अभिव्यक्ति पर भी विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है, क्योंकि भविष्य में साक्षात्कार, संगोष्ठी जैसे मौकों पर यही योग्यता विद्यार्थी के काम आती है। इसके अभ्यास के सिलसिले में शिक्षिका को उचित हावभाव, मानक उच्चारण, पॉज, बलाघात, हाजिरजवाबी इत्यादि पर खास बल देना होगा।

- मध्यकालीन काव्य की भाषा के मर्म से विद्यार्थी का परिचय कराने के लिए ज़रूरी होगा कि किताबों में आए काव्यांशों की संगीतबद्ध प्रस्तुतियों के ऑडियो-वीडियो कैसेट तैयार किए जाएं। अगर आसानी से कोई गायक/गायिका मिले तो कक्षा में मध्यकालीन साहित्य के अध्यापन-शिक्षण में उससे मदद ली जानी चाहिए।

- वृत्तचित्रों और फीचर फिल्मों को शिक्षण सामग्री के तौर पर इस्तेमाल करने की ज़रूरत है। इनके प्रदर्शन के क्रम में इन पर लगातार बातचीत के ज़रिए सिनेमा के माध्यम से भाषा के प्रयोग की विशिष्टता की पहचान कराई जा सकती है और हिंदी की अलग-अलग छटा दिखाई जा सकती है। विद्यार्थियों को स्तरीय परीक्षा करने को भी कहा जा सकता है।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

- कक्षा में सिर्फ एक पाठ्यपुस्तक की भौतिक उपस्थिति से बेहतर यह है कि शिक्षिका के हाथ में तरह-तरह की पाठ्यसामग्री को विद्यार्थी देख सकें और शिक्षिका उनका कक्षा में अलग-अलग मौकों पर इस्तेमाल कर सके।
- भाषा लगातार ग्रहण करने की क्रिया में बनती है, इसे प्रदर्शित करने का एक तरीका यह भी है कि शिक्षिका खुद यह सिखा सकें कि वे भी शब्दकोश, साहित्यकोश, संदर्भग्रंथ की लगातार मदद ले रही हैं। इससे विद्यार्थियों में इसका इस्तेमाल करने को लेकर तत्परता बढ़ेगी। अनुमान के आधार पर निकटतम अर्थ तक पहुंचकर संतुष्ट होने की जगह वे सही अर्थ की खोज करने का अर्थ समझ पाएंगे। इससे शब्दों की अलग-अलग रंगत का पता चलेगा और उनमें संवेदनशीलता बढ़ेगी। वे शब्दों के बारीक अंतर के प्रति और सजग हो पाएंगे।
- कक्षा-अध्यापन के पूरक कार्य के रूप में सेमिनार, ट्यूटोरियल कार्य, समस्या-समाधान कार्य, समूहचर्चा, परियोजना, कार्य, स्वाध्याय आदि पर बल दिया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में जनसंचार माध्यमों से संबंधित अंशों को देखते हुए यह जरूरी है कि समय-समय पर इन माध्यमों से जुड़े व्यक्तियों और विशेषज्ञों को भी विद्यालय में बुलाया जाए तथा उनकी देख-रेख में कार्यशालाएं आयोजित की जाएं।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

हिंदी (आधार)

कोड सं० 302: कक्षा - 11 (2013-14)

खण्ड	विषय		अंक
(क)	**अपठित बोध**		**15**
	1.	अपठित गद्यांश - बोध (गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघूत्तरात्मक प्रश्न	10
	2.	अपठित काव्यांश-बोध (काव्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न) (1x5)	05
(ख)	**कामकाजी हिंदी और रचनात्मक लेखन**		**25**
	3.	निबंध (विकल्प सहित)	10
	4.	कार्यालयी पत्र (विकल्प सहित)	05
	5.	जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता के विविध आयामों पर पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न	05
	6.	फीचर, रिपोर्ट आलेख लेखन (जीवन-संदर्भों ये जुड़ी घटनाओं और स्थितियों पर)	05
(ग)	**पाठ्यपुस्तक**		
	1)	**आरोह भाग-1**	**35**
	अ)	**काव्य भाग**	**20**
	7.	काव्यांश पर अर्थग्रहण से संबधित चार प्रश्न (2+2+2+2)	08
	8.	एक काव्यांश के सौंदर्यबोध पर दो प्रश्न (3+3)	06
	9.	कविता की विषयवस्तु पर आधारित तीन लघूउत्तरात्मक प्रश्न (2+2+2)	06
	ब)	**गद्य भाग**	**15**
	10.	गद्यांश पर आधारित अर्थग्रहण से संबंधित तीन प्रश्न (2+2+2)	06
	11.	पाठों की विषयवस्तु पर आधारित तीन बोधात्मक प्रश्न (3+3+3)	09
	2)	**वितान भाग-1**	**15**
	12.	पाठों की विषयवस्तु पर आधारित एक मूल्यपरक प्रश्न	05
	13.	विषयवस्तु पर आधारित दो निबंधात्मक प्रश्न (5+5)	10
(घ)	**मौखिक परीक्षा (श्रवण तथा वाचन)**		**10**
	कुल		**100**

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

मौखिक परीक्षा (श्रवण तथा वाचन) हेतु दिशा-निर्देश

श्रवण (सुनना): वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप करना, वाद-विवाद, भाषण, कवितापाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को समझना। 5

वाचन (बोलना): भाषण, सस्वर कविता-पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता, कार्यक्रम-प्रस्तुति, कथा-कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना, भावानुकूल संवाद-वाचन। 5

वार्तालाप की दक्षताएँ:

टिप्पणी : वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय ही होगा। निर्धारित 10 अंकों में से 5 श्रवण (सुनना) कौशल के मूल्यांकन के लिए और 5 वाचन (बोलना) कौशल के मूल्यांकन के लिए होंगे।

श्रवण (सुनना) कौशल टिप्पणी का मूल्यांकन

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए। अध्यापक को सुनते-सुनते परीक्षार्थी अलग कागज़ पर दिए हुए श्रवण बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे।

अभ्यास रिक्तस्थान-पूर्ति, बहुविकल्पी अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं। प्रत्येक आधे-आधे अंक के लिए 10 परीक्षण होंगे।

मौखिक अभिव्यक्ति (बोलना) का मूल्यांकन:

1. **चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन:** इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि विद्यार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. **किसी चित्र का वर्णन:** चित्र लोगों या स्थानों के हो सकते हैं।
3. **किसी निर्धारित विषय पर बोलना :** जिससे विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सकें।
4. **कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना।**

टिप्पणी:

- परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को कुछ तैयारी के लिए समय दिया जाए।
- विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
- निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव-जगत के हों। जैसे: कोई चुटकला या हास्य प्रसंग सुनाना।

  अथवा

  हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे हुए चलचित्र (सिनेमा) की कहानी सुनाना।
- जब परीक्षार्थी बोलना आरंभ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करे।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

(इस बात का निश्चय करना कि क्या विद्यार्थी में श्रवण और वाचन की निम्नलिखित योग्यताएँ हैं।)

	श्रवण (सुनना)		वाचन (बोलना)
1.	परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है किन्तु वह सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	1.	केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।
3.	छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संदर्भों में समझने की योग्यता है।	3.	परिचित संद्र्भों में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
5.	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	5.	अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है, अभी भी कुछ अशुद्धियां करता है, जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।
7.	दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने ढंग और निष्कर्ष निकाल सकने की योग्यता है।	7.	अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा-प्रवाह रूप में प्रस्तुत करता है। ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रूकावट नहीं आती।
9.	जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है। वह उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	9.	उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, ऐसा करते समय वह केवल मामूली गलतियाँ करता है।

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. **आरोह भाग-1** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
2. **वितान भाग-1** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
3. **अभिव्यक्ति और माध्यम** - एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित (खण्ड-ख कामकाजी हिंदी और रचनात्मक लेखन हेतु)

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

हिंदी (आधार)

कोड सं० 302: कक्षा - 12 (2013-14)

खण्ड	विषय		अंक
(क)	**अपठित बोध**		**20**
	1.	अपठित गद्यांश - बोध (गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघूत्तरात्मक प्रश्न	15
	2.	अपठित काव्यांश-बोध (काव्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न) (1x5)	05
(ख)	**कामकाजी हिंदी और रचनात्मक लेखन**		**25**
	3.	किसी एक विषय पर निबंध	05
	4.	कार्यालयी पत्र	05
	5.	प्रिंट माध्यम, सम्पादकीय, रिपोर्ट, आलेख आदि पर पांच अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	05
	6.	किसी एक विषय पर **आलेख अथवा** हाल ही में पढ़ी **पुस्तक की समीक्षा**	05
	7.	जीवन-संदर्भों से जुड़ी घटनाओं और स्थितियों पर **फीचर** लेखन	05
(ग)	**पाठ्यपुस्तक**		
	1)	**आरोह भाग-1**	**40**
	अ)	**काव्य भाग**	**20**
	8.	दो काव्याशों में से किसी एक पर अर्थग्रहण के चार / पांच प्रश्न	08
	9.	काव्यांश के सौंदर्यबोध पर किसी एक काव्यांश पर तीन प्रश्न	06
	10.	कविताओं की विषय-वस्तु से संबंधित दो लघुत्तरात्मक प्रश्न (3+3)	06
	ब)	**गद्य भाग**	**15**
	11.	एक गद्यांश पर आधारित अर्थग्रहण के चार प्रश्न (2+2+2+2)	08
	12.	पाठों की विषयवस्तु पर आधारित चार बोधात्मक प्रश्न (3+3+3+3)	12
	2)	**वितान भाग-1**	**15**
	13.	पाठों की विषयवस्तु पर आधारित एक **मूल्यपरक** प्रश्न	05
	14.	विषयवस्तु पर आधारित दो निबंधात्मक प्रश्न (5+5)	10
कुल			**100**

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. **आरोह भाग-2** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
2. **वितान भाग-2** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
3. **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित (खण्ड- ख कामकाजी हिंदी और रचनात्मक लेखन हेतु)

हिन्दी आधार कक्षा-बारहवीं

प्रश्न पत्र तैयार करने हेतु आधारभूत-प्रारूप (अधिकतम अंक - 100)

क्रम संख्या	प्रश्नों का प्रकार	अधिगम के परिणाम तथा कौशल	लघूउत्तरात्मक बहुविकल्पात्मक (1 अंक)	लघूउत्तरात्मक (3 अंक)	दीर्घउत्तरात्मक (5 अंक)	कुल अंक	प्रतिशत/ लगभग
1	स्मृति (ज्ञानाधारित- स्मृति के प्रयोग पर सरल प्रश्न	• श्रवण, भाषण तथा लेखन कौशल	7	1	----	10	10
2	बोध (अर्थपूर्ण परिचित बोध पर आधारित प्रश्न)	• तर्क-वितर्क • विश्लेषणात्मक कौशल	6	3*	2*	25	25
3	अनुप्रयोग (नवीन स्थितियों में ज्ञान के अनुप्रयोग पर आनुमानिक प्रकार के प्रश्न	• रचनात्मक कौशल सार लेखन, व्याख्या करना	1	3*	2*	25	25
4	उच्च स्तरीय चिन्तन कौशल (विश्लेषण एवं मूल्यांकन पर आधारित प्रश्न)	• मूल्यांकन स्पष्टीकरण, तुलना करना, भेद करना, उचित/अनुचित सिद्ध करना	2	1*	2*	15	15
5	रचनात्मक (निर्णय अथवा स्थिति के मूल्यांकन की क्षमता एवं बहुविषयात्मक)	• मूल्यपरक विचारों की अभिव्यक्ति करना	----	----	5	25	25
	कुल		**16****	**8****	**11***	**100**	**100**

*अंकित प्रश्नों के उप भाग भी लिये जा सकते हैं।

**यह प्रश्न वृहदतर प्रश्नों के भाग हो सकते हैं।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

5. हिंदी (ऐच्छिक) कोड संख्या-002

कक्षा-XI-XII

प्रस्तावना

उच्चतर माध्यमिक स्तर में प्रवेश लेने वाला विद्यार्थी पहली बार सामान्य शिक्षा से विशेष अनुशासन की शिक्षा की ओर उन्मुख होता है। दस वर्षों में विद्यार्थी भाषा के कौशलों से परिचित हो जाता है। भाषा और साहित्य के स्तर पर उसका दायरा अब घर, पास-पड़ोस, स्कूल, प्रांत और देश से होता हुआ धीरे-धीरे विश्व तक फैल जाता है। वह इस उम्र में पहुँच चुका है कि देश की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याओं पर विचार-विमर्श कर सके, एक ज़िम्मेदार नागरिक की तरह अपनी ज़िम्मेदारियों को समझ सके तथा देश और खुद को सही दिशा दे सकने में भाषा की ताकत को पहचान सके। ऐसे दृढ़ भाषिक और वैचारिक आधार के साथ जब विद्यार्थी आता है तो उसे विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की व्यापक समझ और प्रयोग में दक्ष बनाना सबसे पहला उद्देश्य होगा। किशोरावस्था से युवावस्था के इस नाज़ुक मोड़ पर किसी भी विषय का चुनाव करते समय बच्चे और उनके अभिभावक इस बात को लेकर सबसे अधिक चिंतित रहते हैं कि चयनित विषय उनके भावी कैरियर और जीविका के अवसरों में मदद करेगा कि नहीं। इस उम्र के विद्यार्थियों में चिंतन और निर्णय करने की प्रवृत्ति भी प्रबल होती है। इसी आधार पर वे अपने मानसिक, सामाजिक, बौद्धिक और भाषिक विकास के प्रति भी सचेत होते हैं और अपने भावी अध्ययन की दिशा तय करते हैं। इस स्तर पर ऐच्छिक हिंदी का अध्यन एक सृजनात्मक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और विभिन्न प्रयुक्तियों की भाषा के रूप में होगा। इस बात पर भी बल दिया जाएगा कि निरंतर विकसित होती हिंदी के अखिल भारतीय स्वरूप से बच्चे का रिश्ता बन सके।

इस स्तर पर विद्यार्थियों में भाषा के लिखित प्रयोग के साथ-साथ उसके मौखिक प्रयोग की कुशलता और दक्षता का विकास भी ज़रूरी है। प्रयास यह भी होगा कि विद्यार्थी अपने बिखरे हुए विचारों और भावों की सहज और मौलिक अभिव्यक्ति की क्षमता हासिल कर सके।

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से

1. विद्यार्थी अपनी रुचि और आवश्यकता के अनुरूप साहित्य का गहन और विशेष अध्ययन जारी रख सकेंगे।
2. विश्वविद्यालय स्तर पर निर्धारित हिंदी-साहित्य से संबंधित पाठ्यक्रम के साथ सहज संबंध स्थापित कर सकेंगे।
3. लेखन-कौशल के व्यावहारिक और सृजनात्मक रूपों की अभिव्यक्ति में सक्षम हो सकेंगे।
4. रोजगार के किसी भी क्षेत्र में जाने पर भाषा का प्रयोग प्रभावी ढंग से कर सकेंगे।
5 यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी को संचार तथा प्रकाशन जैसे विभिन्न-क्षेत्रों में अपनी क्षमता आज़माने के अवसर प्रदान कर सकता है।

उद्देश्य

- सृजनात्मक साहित्य की सराहना, उसका आनंद उठाना और उसके प्रति सृजनात्मक और आलोचनात्मक दृष्टि का विकास।
- साहित्य की विविध विधाओं (कविता, कहानी, निबंध आदि), महत्वपूर्ण कवियों और रचनाकारों, प्रमुख धाराओं और शैलियों का परिचय कराना।
- भाषा की सृजनात्मक बारीकियों और व्यावहारिक प्रयोगों का बोध तथा संदर्भ और समय के अनुसार प्रभावशाली ढंग से उसकी मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कर सकना।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

- विभिन्न ज्ञानानुशासनों के विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की विशिष्ट प्रकृति एवं क्षमता का बोध कराना।
- साहित्य की प्रभावशाली क्षमता का उपयोग करते हुए सभी प्रकार की विविधताओं (धर्म, जाति, लिंग, वर्ग, भाषा आदि) एवं अंतरों के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील रवैये का विकास कराना।
- देश-विदेश में प्रचलित हिंदी के रूपों से परिचित कराना।
- संचार-माध्यमों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) में प्रयुक्त हिंदी की प्रकृति से अवगत कराना और नवीन विधियों के प्रयोग की क्षमता का विकास करना।
- साहित्य की व्यापक धारा के बीच रखकर विशिष्ट रचनाओं का विश्लेषण और विवेचन करने की क्षमता हासिल करना।
- विपरीत परिस्थितियों में भी भाषा का इस्तेमाल शांति के साथ करना।
- अमूर्त विषयों पर प्रयुक्त भाषा का विकास और कल्पनाशीलता और मौलिक चिंतन के लिए प्रयोग करना।

शिक्षण-युक्तियाँ

इन कक्षाओं में उचित वातावरण-निर्माण में अध्यापकों की भूमिका सदैव सहायक की होनी चाहिए। उनको भाषा और साहित्य की पढ़ाई में इस बात पर ध्यान देने की ज़रूरत होगी कि-

- कक्षा का वातावरण संवादात्मक हो ताकि अध्यापक, विद्यार्थी और पुस्तक तीनों के बीच एक रिश्ता बन सके।
- गलत से सही की ओर पहुँचने का प्रयास हो। यानी बच्चों को स्वतंत्र रूप से बोलने, लिखने और पढ़ने दिया जाए और फिर उनसे होने वाली भूलों की पहचान करा कर अध्यापक अपनी पढ़ाने की शैली में परिवर्तन करे।
- ऐसे शिक्षण-बिंदुओं की पहचान की जाए, जिससे कक्षा में विद्यार्थी की सक्रिय भागीदारी रहे और अध्यापक भी उनका साथी बना रहे।
- शारीरिक बाधाग्रस्त विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त शिक्षण-सामग्री का इस्तेमाल किया जाए तथा किसी भी प्रकार से उन्हें अन्य विद्यार्थियों से कमतर या अलग न समझा जाए।
- विभिन्न विधाओं से संबंधित रूचिकर और महत्वपूर्ण 10 अन्य पुस्तकें- जिनका ज़िक्र पाठ्यपुस्तक के अंत में किया जाएगा-स्वयं पढ़ने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए।
- कक्षा में अध्यापक को हर प्रकार की विभिन्नताओं (लिंग, धर्म, जाति, वर्ग आदि) के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील वातावरण निर्मित करना चाहिए।
- सृजनात्मकता के अभ्यास के लिए विद्यार्थी से साल में कम से कम दो रचनाएं लिखवाई जाएं।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

हिंदी (ऐच्छिक) कोड सं० 002

कक्षा - 11 (2013-14)

खण्ड	विषय		अंक
(क)	**अपठित बोध**		**15**
	1.	अपठित गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघुत्तरात्मक प्रश्न	10
	2.	अपठित काव्यांश पर आधारित पाँच लघुत्तरात्मक प्रश्न	05
(ख)	**कामकाजी हिंदी और रचनात्मक लेखन (पुस्तकः अभिव्यक्ति और माध्यम)**		**25**
	3.	किसी एक विषय पर निबंध (विकल्प सहित)	10
	4.	कार्यालयी पत्र (विकल्प सहित)	05
	5.	जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता के विविध आयामों पर पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न	05
	6.	व्यावहारिक लेखन (प्रतिवेदन, कार्यसूची, कार्यवृत्त इत्यादि) पर एक प्रश्न	05
(ग)	**पाठ्यपुस्तकें**		
	1)	**अंतरा भाग-1**	**35**
	अ)	**काव्य भाग**	**20**
	7.	एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या	08
	8.	कविता के कथ्य पर दो प्रश्न (3+3)	06
	9.	कविताओं के काव्य-सौंदर्य पर दो प्रश्न (3+3)	06
	ब)	**गद्य भाग**	**15**
	10.	एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या	04
	11.	पाठों की विषयवस्तु पर दो प्रश्न (3+3)	06
	12.	किसी एक लेखक/कवि का साहित्यिक परिचय	05
	2)	**अंतराल भाग-1**	**15**
	13.	पाठों की विषयवस्तु पर आधारित एक **मूल्यपरक** प्रश्न	05
	13.	विषयवस्तु पर आधारित दो निबंधात्मक प्रश्न (5+5)	10
(घ)	**मौखिक परीक्षा (श्रवण तथा वाचन)**		**10**
	कुल		**100**

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

मौखिक परीक्षा (श्रवण तथा वाचन) हेतु दिशा निर्देश

श्रवण (सुनना): वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप करना, वाद-विवाद, भाषण, कवितापाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को समझना।

वाचन (बोलना): भाषण, सस्वर कविता-पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता, कार्यक्रम-प्रस्तुति, कथा-कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना, भावानुकूल संवाद-वाचन।

वार्तालाप की दक्षताएँ:

टिप्पणी: वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय ही होगा। निर्धारित 10 अंकों में से 5 श्रवण (सुनना) कौशल के मूल्यांकन के लिए और 5 वाचन (बोलना) कौशल के मूल्यांकन के लिए होंगे।

श्रवण (सुनना) कौशल का मूल्यांकन:

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए। अध्यापक को सुनते-सुनते परीक्षार्थी अलग कागज़ पर दिए हुए श्रवण बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे। अभ्यास रिक्तस्थान-पूर्ति, बहुविकल्पी अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं। आधे-आधे अंक के 10 प्रश्न लिये जा सकते हैं।

मौखिक अभिव्यक्ति (बोलना) का मूल्यांकन:

1. **चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन:** इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि विद्यार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. **किसी चित्र का वर्णन:** चित्र लोगों या स्थानों के हो सकते हैं।
3. **किसी निर्धारित विषय पर बोलना:** जिससे विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सकें।
4. **कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना।**

टिप्पणी:

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को कुछ तैयारी के लिए समय दिया जाए।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव-जगत के हों। जैसे: कोई चुटकला या हास्य प्रसंग सुनाना।
   हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे हुए चलचित्र (सिनेमा) की कहानी सुनाना।
4. जब परीक्षार्थी बोलना आरंभ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करे।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

(इस बात का निश्चय करना कि क्या विद्यार्थी में श्रवण और वाचन की निम्नलिखित योग्यताएँ हैं।)

	श्रवण (सुनना)		वाचन (बोलना)
1.	परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है किन्तु वह सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	1.	केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।
3.	छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संदर्भों में समझने की योग्यता है।	3.	परिचित संद्र्भों में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
5.	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	5.	अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है, अभी भी कुछ अशुद्धियां करता है, जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।
7.	दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने ढंग और निष्कर्ष निकाल सकने की योग्यता है।	7.	अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा-प्रवाह रूप में प्रस्तुत करता है। ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रूकावट नहीं आती।
9.	जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है। वह उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	9.	उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, ऐसा करते समय वह केवल मामूली गलतियाँ करता है।

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. **अंतरा भाग-1** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
2. **अंतराल भाग-1** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
3. **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** - एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित (खण्ड-ख **कामकाज़ी हिंदी और रचनात्मक लेखन हेतु**)

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

हिंदी (ऐच्छिक) कोड सं० 002 (2014-15)

कक्षा - 12

खण्ड		विषय	अंक
(क)		**अपठित बोध**	**20**
	1.	अपठित गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघुत्तरात्मक प्रश्न	15
	2.	अपठित काव्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न	05
(ख)		**कामकाजी हिंदी और रचनात्मक लेखन (पुस्तक: अभिव्यक्ति और माध्यम)**	**25**
	3.	किसी एक विषय पर निबंध (विकल्प सहित)	10
	4.	कार्यालयी पत्र (विकल्प सहित)	05
	5.	जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता के विविध आयामों पर पाँच लघुत्तरात्मक प्रश्न	05
	6.	रचनात्मक लेखन पर एक प्रश्न	05
(ग)		**पाठ्यपुस्तक**	
	1)	**अंतरा भाग-1**	**40**
	अ)	**काव्य भाग**	**20**
	7.	एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या	08
	8.	कविता के कथ्य पर दो प्रश्न (3+3)	06
	9.	कविताओं के काव्य-सौन्दर्य पर दो प्रश्न (3+3)	06
	ब)	**गद्य भाग**	**20**
	10.	एक गद्यांशं की सप्रसंग व्याख्या	06
	11.	पाठों की विषयवस्तु पर दो प्रश्न (4+4)	08
	12.	किसी एक **लेखक/कवि** का साहित्यिक परिचय	06
	2)	**अंतराल भाग-2**	**15**
	13.	पाठों की विषयवस्तु पर आधारित एक **मूल्यपरक** प्रश्न	05
	14.	विषयवस्तु पर आधारित दो निबंधात्मक प्रश्न (5+5)	10
		कुल	**100**

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. **अंतरा भाग-2** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
2. **अंतराल भाग-2** (विविध विधाओं का संकलन) एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
3. **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित (खण्ड-ख **कामकाज़ी हिंदी और रचनात्मक लेखन हेतु**)

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

www.ncerthelp.com

हिन्दी केन्द्रिक कक्षा-बारहवीं

प्रश्न पत्र तैयार करने हेतु आधारभूत-प्रारूप (अधिकतम अंक - 100)

क्रम संख्या	प्रश्नों का प्रकार	अधिगम के परिणाम तथा कौशल	लघूउत्तरात्मक बहुविकल्पात्मक (1 अंक)	लघूउत्तरात्मक (3 अंक)	दीर्घउत्तरात्मक (5 अंक)	कुल अंक	प्रतिशत/ लगभग
1	स्मृति (ज्ञानाधारित-स्मृति के प्रयोग पर सरल प्रश्न	• श्रवण, भाषण तथा लेखन कौशल	7	1	----	10	10
2	बोध (अर्थपूर्ण परिचित बोध पर आधारित प्रश्न)	• तर्क-वितर्क • विश्लेषणात्मक कौशल	6	3*	2*	25	25
3	अनुप्रयोग (नवीन स्थितियों में ज्ञान के अनुप्रयोग पर आनुमानिक प्रकार के प्रश्न	• रचनात्मक कौशल सार लेखन, व्याख्या करना	1	3*	2*	25	25
4	उच्च स्तरीय चिन्तन कौशल (विश्लेषण एवं मूल्यांकन पर आधारित प्रश्न)	• मूल्यांकन स्पष्टीकरण, तुलना करना, भेद करना, उचित/अनुचित सिद्ध करना	2	1*	2*	15	15
5	रचनात्मक (निर्णय अथवा स्थिति के मूल्यांकन की क्षमता एवं बहुविषयात्मक)	• मूल्यपरक विचारों की अभिव्यक्ति करना	----	----	5	25	25
	कुल		**16****	**8****	**11***	**100**	**100**

*अंकित प्रश्नों के उप भाग भी लिये जा सकते हैं।

**यह प्रश्न वृहदतर प्रश्नों के भाग हो सकते हैं।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...